खबर संक्षेप

इंजीनियरिंग कॉलेज में किया गया पौधरोपण

शहडोल। यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय शहडोल एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत परिसर में संस्था निदेशक डॉ. पंकज जैन सहित शिक्षक एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियो ने पौधरोपण कर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान दिया एवं पौधे को सुरक्षित करने का संकल्प भी लिया।

पेंशनर एसोसिएशन ने डीईओ को सौंपा ज्ञापन

शहडोल। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष आर. एल. तिवारी के कुशल नेतृत्व में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अनिल श्रीवास्तव से मुलाकात कर शिक्षक संवर्ग को चतुर्थ क्रमोन्नति वेतनमान प्रदान करने के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में संगठन के प्रांतीय विधि प्रकोष्ठ संयोजक के. के. सिंह, संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष लोकेंद्र प्रसाद तिवारी, जिला उपाध्यक्ष द्वय गिरीश कुमार निगम व राजाराम शर्मा, सचिव अशोक द्विवेदी, सह-सचिव राजेंद्र प्रसाद परौहा, सोहागपुर तहसील अध्यक्ष लालमणि जायसवाल तथा ब्लॉक अध्यक्ष मनोज खरे प्रमुख रूप से शामिल रहे। मुलाकात के दौरान प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अनिल श्रीवास्तव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए बताया कि शिक्षक संवर्ग की चतुर्थ क्रमोन्नति की प्रक्रिया लगभग अंतिम चरण में है। अतिशीघ्र विभागीय चयन समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। एक सप्ताह के भीतर पात्र शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश जारी कर दिए जाएंगे। अधिकारियों के इस त्वरित और सकारात्मक रुख से पेंशनर एसोसिएशन एवं शिक्षक संवर्ग में हर्ष की लहर है। पेंशनर एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि वर्षों से लंबित इस मांग का समय सीमा में निराकरण होने से शिक्षकों को उनका वाजिब हक जल्द मिल सकेगा।

अमानक बीज मिलने पर बीज विक्रेता का लाइसेंस निलंबित

शहडोल। किसानों को खरीफ सीजन में उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में बीज विक्रय दुकानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान बीज विक्रेताओं से बीज के नमूने एकत्र कर परीक्षण हेतु बीज परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला शहडोल ने बताया है कि बीज परीक्षण प्रयोगशाला की रिपोर्ट में हिंदुस्तान सीड्स सप्लाई कंपनी, शहडोल का बीज नमूना अमानक पाया गया। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित बीज विक्रेता का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए निरीक्षण एवं नमूना परीक्षण की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी तथा अमानक बीज विक्रय करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तत्काल निलंबन, एफआईआर और उच्चस्तरीय जांच की उठाई मांग

सरकारी गाइडलाइन की आड़ में जनता की जेब पर डाका

उप-पंजीयक पर सेवा प्रदाताओं ने लगाये गंभीर आरोप

आवासीय जमीन को जबरन व्यावसायिक बताकर अटकाया जाता है पेंच

सेवा प्रदाताओं ने संभागायुक्त को सौंपा ज्ञापन

शहडोल। संभागीय मुख्यालय से ठीक सटे सोहागपुर उप-पंजीयक कार्यालय में इन दिनों कानून का राज नहीं, बल्कि मनमानी और भ्रष्टाचार की विशेष व्यवस्था चल रही है। जनता की सहूलियत के लिए बना यह शासकीय दफ्तर अब बिना चढ़ावे के काम न करने वाले अड्डे में तब्दील हो चुका है। शासकीय गाइडलाइन और डिजिटल प्रक्रियाओं को सुरक्षा कवच बनाकर पक्षकारों को डराने और उनसे मोटी रकम ऐंठने का संगीन आरोप उप-पंजीयक सचिन जैन पर लगा है। कार्यालय की इस खुली लूट से त्रस्त होकर क्षेत्र के आक्रोशित सेवा प्रदाताओं और स्थानीय नागरिकों ने एकजुट होकर मोर्चा खोल दिया है। संभागायुक्त, कलेक्टर और पंजीयन विभाग के उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर उप-पंजीयक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई, तत्काल प्रभाव से पद से हटाने और निष्पक्ष जांच की पुरजोर मांग की गई है।

जियो टैगिंग का अनोखा खेल

पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और फर्जीवाड़े को रोकने के लिए शासन द्वारा लागू की गई जियो टैगिंग प्रणाली को सोहागपुर कार्यालय में अवैध वसूली का सबसे बड़ा हथियार बना लिया गया है। आम नागरिक जब अपने सामान्य आवासीय भूखंड की रजिस्ट्री कराने पहुंचता है, तो उसे जबरन व्यावसायिक बताकर स्टाम्प शुल्क कई गुना बढ़ा दिया जाता है। जब परेशान पक्षकार दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर थक जाता है, तब पेंच ढीला करने और शुल्क घटाने के नाम पर टेबल के नीचे से मोटी रकम का सौदा तय किया जाता है। मौके पर स्थिति कुछ और होती है, लेकिन पोर्टल पर

फर्जी आपत्तियां दर्ज कर फाइलों को अटका दिया जाता है। सह-खातेदार और संयुक्त खातों के मामलों में तो जानबूझकर तकनीकी अड़चनें पैदा की जाती हैं, ताकि पक्षकार लाचार होकर दलालों की शरण में जाने को मजबूर हो जाए।

भू-माफियाओं के लिए रेड कारपेट

एक तरफ जहां अपनी जायज जमीन का पंजीयन कराने आए आम नागरिक को नियम-कायदों का पाठ पढ़ाकर प्रताड़ित किया जाता है, वहीं दूसरी तरफ अवैध प्लाटिंग करने वाले भू-माफियाओं पर उप-पंजीयक कार्यालय पूरी तरह मेहरबान नजर आता है। संभागीय मुख्यालय और सोहागपुर से लगे ग्रामीण इलाकों में कृषि भू-खंडों के नियम-विरुद्ध 3 से अधिक टुकड़े (बटांक) धड़ल्ले से काट दिए गए हैं। कॉलोनाइजरों की बिना अनुमति की अवैध दुकानें हर कोने में सज चुकी हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि नियम-विरुद्ध कट रही जमीनों की रजिस्ट्री पर उप-पंजीयक कार्यालय को कभी कोई आपत्ति नजर नहीं आती। सूत्रों और सेवा प्रदाताओं का सीधा आरोप है कि पर्दे के पीछे से दलालों के माध्यम से पहुंचने वाली तगड़ी चढ़ोत्तरी ने अधिकारियों की आंखों पर पट्टी बांध रखी है।

जांच तक पद से हटाने और निष्पक्ष जांच की मांग

प्रशासनिक गलियारों में इस खुलासे के बाद हडक़ंप मच गया है। सेवा प्रदाताओं और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासनिक अधिकारियों से स्पष्ट मांग की है कि निष्पक्ष जांच प्रभावित न हो, इसके लिए उप-पंजीयक सचिन जैन को पंजीयन कार्य से पृथक कर प्रभार किसी अन्य जिम्मेदार अधिकारी को सौंपा जाए। पिछले कुछ महीनों में हुए आवासीय जमीनों के व्यावसायिक मूल्यांकन, जियो टैगिंग में लगाई गई आपत्तियों और विवादित रजिस्ट्रियों की स्वतंत्र एजेंसी से फॉरेंसिक समीक्षा कराई जाए। आरोपों की पुष्टि होने पर दोषी अधिकारी और संलिप्त कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए।

व्यक्तिगत आय चमकाने का अड्डा बना कार्यालय

गाइडलाइन के नियमों का खुलेआम दुरुपयोग कर पक्षकारों को आवासीय और व्यावसायिक जमीनों के जाल में उलझाया जा रहा है। कृषि भूखंडों पर जबरन कॉलोनी के नियम थोपकर सरकारी खजाने की आड़ में उप-पंजीयक अपनी व्यक्तिगत आय चमकाने में मस्त हैं।

राजेश कुमार मिश्रा, शिकायतकर्ता

इम्पॉउंड की धमकी देकर डराने की साजिश

अन्य प्लॉटिंग क्षेत्र को लेकर बनाई गई कंडिका में कोई स्पष्टता नहीं है। संपदा पोर्टल पर पहले से दर्ज खसरों का डर दिखाकर आम नागरिकों को इम्पॉउंड (दस्तावेज जब्त) करने की धमकी दी जाती है। यह पूरी मनमानी केवल और केवल अवैध वसूली करने के उद्देश्य से की जा रही है।

आकाशदीप शर्मा, शिकायतकर्ता

इनका कहना है....

सभी आरोप को पूरी तरह निराधार है। कार्यालय में शासन के नियमानुसार ही चालान प्रक्रिया के तहत स्टाम्प व पंजीयन शुल्क लिया जाता है। शुल्क में कमी पाए जाने पर मामला सीधे कलेक्टर ऑफ स्टाम्प को भेजा जाता है, अवैध वसूली का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

सचिन जैन
उप-पंजीयक, शहडोल

शहडोल में 8 मेडिकल स्टोर संचालकों को कारण बताओ नोटिस, 3 दिन में मांगा जवाब!

शहडोल। जिले में मरीजों की सेहत से खिलवाड़ और दवा कारोबार में मनमानी करने वाले दुकानदारों पर अब प्रशासन का चाबुक चलना शुरू हो गया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कड़े निर्देशों के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरकत में आया है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 के प्रावधानों की धज्जियां उड़ाने वाले जिले के 8 नामचीन मेडिकल स्टोर संचालकों को विभाग ने कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस थमा दिया है। प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से दवा बाजार में हडक़ंप मच गया है।

इन 8 मेडिकल स्टोर्स पर गिरी गाज

औषधि अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा जिन 8 मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें दिशा मेडिकल स्टोर, ब्यौहारी संचालक अभिनय सिंह बघेल, लाइफ लाइन मेडिकल स्टोर, जिला अस्पताल कॉम्प्लेक्स शहडोल संचालक अभिमन्यु सिंह, न्यू गुप्ता मेडिकल स्टोर, शहडोल संचालक करण गुप्ता, ओम मेडिकल स्टोर, अमलई संचालक जुगनू केवट, राज मेडिकल स्टोर, जयसिंहनगर संचालक रजनीश गुप्ता, श्रीजी मेडिकल स्टोर, शहडोल संचालक कश्मीरा विनोद अग्रवाल, तिवारी फार्मा, शहडोल संचालक संजीव कुमार तिवारी, वैभव मेडिकल स्टोर, जयसिंहनगर संचालक वैभव शुक्ला शामिल हैं।

आखिर क्या खेल कर रहे थे ये मेडिकल संचालक

जांच और निरीक्षण के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के तहत कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। सूत्रों और नियमों के मुताबिक, ये संचालक दवाओं की खरीद-बिक्री में तय मानकों की सरेआम अनदेखी कर रहे थे। एंटीबायोटिक व दर्द निवारक दवाएं बिना डॉक्टर के पर्चे के दी जा रही थीं। नियमानुसार दुकान पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट का मौजूद रहना अनिवार्य है, लेकिन कई दुकानों पर नौसिखिए दवाएं बांटते मिले। क्रय-विक्रय (स्टॉक) का सही रिकॉर्ड न रखना और ग्राहकों को पक्का बिल न देना। तापमान संवेदनशील दवाओं का सही भंडारण न करना और एक्सपायर्ड दवाओं का उचित रख-रखाव न होना।

जवाब नहीं दिया तो लाइसेंस होना तय है सस्पेंड!

जारी नोटिस में स्पष्ट हिदायत दी गई है कि संबंधित संचालक सूचना पत्र मिलने के 3 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। यदि कोई संचालक व्यक्तिगत सुनवाई चाहता है, तो उसे अपने जवाब में इसका उल्लेख करना होगा। समय सीमा के भीतर संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर यह मान लिया जाएगा कि संचालकों के पास सफाई में कहने को कुछ नहीं है। इसके बाद औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के नियम 66(1) के तहत एकतरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नियमों के उल्लंघन पर क्या हो सकती है कड़ी कार्रवाई

अगर इन मेडिकल स्टोर संचालकों के जवाब असंतोषजनक पाए जाते हैं, तो औषधि विभाग कठोर कदम उठा सकता है। नियम 66(1) के तहत मेडिकल स्टोर चलाने का ड्रग लाइसेंस निलंबित या हमेशा के लिए निरस्त किया जा सकता है। अमानक, बिना बिल या नशीली दवाओं की अवैध बिक्री सिद्ध होने पर दुकान सील कर संचालकों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर जेल भेजा जा सकता है। प्रशासन के इस सख्त रुख से साफ है कि अब जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले दवा कारोबारियों की खैर नहीं है।

शहडोल में 26 जुलाई को निकलेगी भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

हाइड्रोलिक रथ पर नगर भ्रमण करेंगे भगवान

शहडोल। धर्मनगरी शहडोल में आगामी 26 जुलाई, रविवार को भक्ति और श्रद्धा का अलौकिक समागम देखने को मिलेगा। इस्कॉन शहडोल द्वारा भगवान श्री श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की विशाल एवं भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के संबंध में इस्कॉन के प्रबंधक श्रीमान मानस चंद्र दास ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए संपूर्ण रूपरेखा साझा की। इस बार की रथ यात्रा का मुख्य केंद्र एक विशेष रूप से तैयार किया गया हाइड्रोलिक रथ होगा, जो एक चलते-फिरते भव्य मंदिर जैसा प्रतीत होगा। आधुनिक तकनीक से युक्त इस रथ का सुंदर गुंबद आवश्यकतानुसार 32 फीट की ऊंचाई तक उठाया जा सकेगा। इस नवीन व्यवस्था से भगवान जगन्नाथ का नगर भ्रमण अत्यंत दिव्य, भव्य और दर्शनीय बनेगा।

रथ यात्रा का शुभारंभ जय स्तंभ चौक से होगा। इसके पश्चात भगवान का रथ डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक, जिला जेल मार्ग, कलेक्टर निवास, गांधी चौक तथा इंदिरा चौक से होते हुए बुढ़ार मार्ग स्थित भारत पेट्रोल पंप (रायज़ादा एंड संस) पहुंचकर संपन्न होगा।

रथ यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को भगवान के रथ की पवित्र रस्सी खींचकर सेवा करने का प्रत्यक्ष अवसर प्राप्त होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचने से जीवन के समस्त कष्ट दूर होते हैं। मार्ग में जगह-जगह भव्य नाम संकीर्तन, भक्ति संगीत और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। यात्रा के समापन के बाद इस्कॉन केंद्र पर समस्त श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रसाद (महाप्रसाद) की व्यवस्था की गई है। इस्कॉन प्रबंधन ने संपूर्ण नगरवासियों से इस पावन अवसर पर भारी संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की भावभरी अपील की है।

गोहपारू में वीबी जी-रामजी योजना पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

शहडोल। ग्रामीण विकास की योजनाओं को धरातल पर अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और गति प्रदान करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत गोहपारू में वीबी जी-रामजी योजना का एक दिवसीय विशेष क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिवों, ग्राम रोजगार सहायकों, पंचायत समन्वय अधिकारियों एवं उपयंत्रियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।प्रशिक्षण के दौरान जिला स्तरीय मुख्य प्रशिक्षक संतोष बाल्मीक ने योजना के प्रमुख प्रावधानों, दिशा-निर्देशों और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, जिला परियोजना अधिकारी आशुतोष खरे ने मैदानी अमले को संबोधित करते हुए कहा कि योजना का मुख्य लक्ष्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को आपस में बेहतर तालमेल बनाकर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वित्तीय अनुशासन और कम्प्यूटर आधारित प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए जिला पंचायत शहडोल के जिला लेखाधिकारी एवं वरिष्ठ आंकड़े प्रबंधक अरुणेंद्र द्विवेदी ने विशेष सत्र लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को वेब-पोर्टल पर प्रविष्टियाँ एवं अभिलेख संधारण, पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन और लेखा-जोखा, तकनीकी प्रक्रियाओं और आधुनिक निगरानी प्रणाली के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी या वित्तीय समस्या का सामना न करना पड़े।प्रशिक्षण को सुचारू रूप से संचालित करने और प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने में जनपद पंचायत गोहपारू के सहायक यंत्री प्रशांत लगारखा एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार मिश्रा की अत्यंत सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंतिम चरण में एक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मैदानी कर्मचारियों ने योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी अपनी व्यावहारिक कठिनाइयों और जिज्ञासाओं को विशेषज्ञों के सामने रखा।

पुलिस अधीक्षक की भटिया में सजी ग्राम चौपाल, नशामुक्ति का लिया संकल्प

शहडोल। जिले को नशामुक्त और खुशहाल बनाने की दिशा में शहडोल पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत थाना जैतपुर क्षेत्र के ग्राम भटिया में एक भव्य ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, युवा और महिलाएँ सम्मिलित हुईं।चौपाल के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. अग्रवाल ने सीधे ग्रामीणों से संवाद करते हुए नशे के सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों पर गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने भावुक और प्रभावशाली ढंग से समझाते हुए कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति के शरीर और स्वास्थ्य को हानि नहीं पहुँचाता, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देता है। इसका सीधा और बुरा असर हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर पड़ता है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को प्रेरित करते हुए कहा कि जब तक समाज का प्रत्येक नागरिक इस बुराई के खिलाफ खड़ा नहीं होगा, तब तक बदलाव संभव नहीं है। इसलिए हर व्यक्ति को इस नशामुक्ति अभियान का सिपाही बनना होगा।नशे के कारण होने वाले घरेलू विवादों और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए नशामुक्त वातावरण आवश्यक है। युवाओं को भटकने से बचाने और उन्हें खेल व शिक्षा की ओर मोडने की अपील की गई। स्वयं नशामुक्त रहने के साथ-साथ पड़ोस और गाँव को नशामुक्त बनाने में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया गया।ग्राम चौपाल में महिलाओं और युवाओं की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक की इस पहल का सहर्ष स्वागत किया और गांव को नशामुक्त बनाने में पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। प्रोग्राम के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों ने एक स्वर में नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली। शहडोल पुलिस की इस चौपाल ने न केवल ग्रामीणों में सुरक्षा का भाव जगाया, बल्कि एक स्वस्थ और अपराधमुक्त समाज की दिशा में नया विश्वास भी पैदा किया है।

खबर संक्षेप

30 जुलाई को स्टैडिंग कमेटी की बैठक

उमरिया। नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का अंतिम प्रकाशन 30 जुलाई को किया जाएगा। इस संबंध में स्टैडिंग कमेटी की बैठक 30 जुलाई को दोपहर 12 बजे से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

30 जुलाई को सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक

उमरिया। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक 30 जुलाई को अपरान्ह 1 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष मे आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जिले में गत 24 घंटे में 24.3 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि गत 24 घंटे में 24.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 35.2 मिमी, मानपुर तहसील में 27.6 मिमी, पाली तहसील में 11.4 मिमी, नौरोजाबाद तहसील में 8.2 मिमी, चंदिया में 35.4 मिमी, करकेली तहसील में 28.6 मिमी, बिलासपुर तहसील में 24 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 23 जुलाई तक 362 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 500.6 मिमी, मानपुर तहसील में 255.1 मिमी, पाली तहसील में 390.8 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 377.4 मिमी, चंदिया तहसील में 278.2 मिमी, करकेली तहसील में 444 मिमी, बिलासपुर तहसील में 288.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक 690.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 625.8 मिमी, मानपुर तहसील में 703.5 मिमी, पाली तहसील में 627.5 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 621.8 मिमी, चंदिया तहसील में 800.1 मिमी, करकेली तहसील में 629.1 मिमी, बिलासपुर तहसील में 816.6 मिमी वर्षा शामिल है।

अमृत हरित महाअभियान, पसान में 2000 पौधों से हरियाली का संकल्प

बदरा/जमुना। अनूपपुर नगर पालिका परिषद पसान द्वारा अमृत हरित महाअभियान के तहत वार्ड क्रमांक-3 स्थित जमुना कॉलोनी के एमआरएफ सेंटर में बुधवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 2000 विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और स्वच्छ भविष्य का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारी, पार्षद, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकार एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता कर पौधे लगाए कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण के साथ हुई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है नगर पालिका द्वारा हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं आज लगाए गए 2000 पौधे आने वाले वर्षों में क्षेत्र की पहचान बनेंगे हमारी अपील है कि प्रत्येक नागरिक कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करे। भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह उर्फ मिंटू ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए। यह अभियान केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। भाजपा नेता सचिन जायसवाल ने कहा कि एक पौधा अनेक जीवन के समान है यदि हर व्यक्ति हर वर्ष एक पौधा लगाए और उसकी सुरक्षा करे तो हमारा क्षेत्र ही नहीं, पूरा देश हराभरा बन सकता है। पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें सुरक्षित रखने की अपील की। आयोजन में विशेष रूप से फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया, जिससे भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी इसका लाभ मिल सके। इस अवसर पर राजेश सिंह, लाल बहादुर जायसवाल, सचिन जायसवाल, उमेश त्रिपाठी, इंजीनियर अजय यादव, संतोष चौरसिया, जीवेश सिंह, संजय त्रिपाठी, कलाम, ललन कुमार सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, पार्षदगण एवं सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे।

बांध का गेट खुला, प्रशासन सोया

जोहिला डैम पर हादसों को खुला निमंत्रण

उमरिया। जिले में पिछले कई दिनों से जारी झमाझम बारिश के बाद जोहिला बांध लबालब हो चुका है। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बुधवार को बांध प्रबंधन ने आनन-फानन में एहतियातन एक गेट को एक मीटर तक उठाकर पानी छोडना शुरू कर दिया। कागजों पर तो जल निकासी की प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रित दिखाई गई, लेकिन जमीनी हकीकत ने जिम्मेदार अफसरों के दावों और सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाकर रख दीं।

बेखौफ मछुआरे, लाचार पहरेदार

जिस वक्त बांध से गर्जना करते हुए पानी का प्रचंड बहाव नीचे गिर रहा था ठीक उसी जगह, मौत के मुहाने पर खड़े होकर दर्जनों मछुआरे बड़े आराम से जाल फेंककर मछली मारने में मशगूल थे। पानी की एक तेज लहर और खेल खत्म! लेकिन न तो उन मछुआरों के सिर पर मौत का खौफ दिखा और न ही वहां तैनात सुरक्षा तंत्र के माथे पर चिंता की कोई शिकन। क्या जोहिला बांध प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? क्या जब तक कोई तिनके की तरह बह नहीं जाएगा, तब तक जिम्मेदार नींद से नहीं जागेंगे?

कागजी सुरक्षा के भरोसे जोहिला डैम

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बांध का गेट खोलने से पहले न तो कोई चेतावनी सायरन ठीक से बजा और न ही प्रतिबंधित क्षेत्र में लोगों की आवाजाही रोकने का कोई इंतजाम दिखा। संवेदनशील और बेहद खतरनाक इलाके में न तो कोई बैरिकेडिंग थी और न ही सुरक्षाकर्मी मछुआरों को खदेड़ते नजर आए। विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि जल निकासी के दौरान पानी का दबाव कभी भी अचानक बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में इंसान को संभलने का एक सेकंड भी नहीं मिलता। इसके बावजूद, प्रतिबंधित क्षेत्र में मेला सा लगा रहा और जिम्मेदार अफसर आंखें मूंदे तमाशा देखते रहे।

हर साल वही लापरवाही, कब जागेगा प्रशासन

यह कोई पहली बार नहीं है। हर मानसून में जोहिला डैम से पानी छोड़ा जाता है और हर बार सुरक्षा के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं पूरी की जाती हैं। स्थानीय ग्रामीणों में इस घोर लापरवाही को लेकर आक्रोश है। अगर जल निकासी के दौरान अचानक कोई हादसा हो जाता, तो इसकी जवाबदेही किसकी होती? क्या लाउडस्पीकर से मुनादी कराना और तटों को खाली कराना इतनी बड़ी रॉकेट साइंस है जो हर साल प्रशासन भूल जाता है?

अब बहाने नहीं, कड़ी कार्रवाई चाहिए!

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश और बढ़ सकती है, जिससे जोहिला बांध के और गेट खोलने पड़ेंगे। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि बांध क्षेत्र में तत्काल पुलिस बल की स्थायी तैनाती की जाए। प्रभावी बैरिकेडिंग और सायरन सिस्टम चालू किया जाए। नियम तोडने वाले मछुआरों और लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर सख्त कार्रवाई की जाए। यदि वक्त रहते सुरक्षा के कड़े इंतजाम नहीं किए गए, तो जोहिला बांध का यह लापरवाही भरा रवैया किसी दिन बहुत भारी पडने वाला है!

जन अभियान परिषद के स्वैच्छिकता पर्व में जमुना कालरी विद्यालय में हुआ पौधारोपण

बदरा/जमुना। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत गुरुवार को विकासखंड अनूपपुर के सेक्टर क्रमांक-4 में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शासकीय हाई सेकेंडरी विद्यालय, जमुना कालरी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति पसान एवं प्रस्फुटन समिति पसान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उपस्थित सभी लोगों ने केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प लिया, ताकि भविष्य में ये पौधे विकसित होकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर नवांकुर संस्था नगर विकास प्रस्फुटन समिति पसान की सचिव अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रकृति संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आहवान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य अवधराज सोलंकी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत विद्यालय स्तर से होना आवश्यक है। ऐसे अभियान विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हैं और उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं। इस दौरान विद्यालय स्टाफ की सुचिता मैम, परामर्शदाता शिवानी सिंह, सीएमसीएलडीपी के छात्र पारस मुखर्जी, सुनीता चौधरी, अंजलि जायसवाल सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने संकल्प लिया कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल करेंगे और उसे एक विकसित वृक्ष बनने तक संरक्षित रखेंगे। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 4 जुलाई से 12 अगस्त तक स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत

युवाओं को रचनात्मक कार्यो से जोडने और नशा मुक्त के विरूद्ध जन जागरूकता के उद्देश्य से माय भारत की पहल

जिला स्तर पर 8 विधाओं में प्रतिस्पार्धात्मक गतिविधियों का आयोजन आज

पत्रकारवार्ता में विकसित भारत के लिए नशा मुक्त राष्ट्रीय अभियान के संबंध में दी गई जानकारी

उमरिया। देश मे युवाओं को रचनात्मक कार्यो से जोडने और उनके बीच मादक द्रव्यों के सेवन के विरूद्ध जन जागरूकता फैलानें हेतु विकसित भारत के लिए नशा मुक्त राष्ट्रीय अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में मेरा युवा भारत व्दारा जिले में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं के लिए जिला स्तर पर 8 विधाओं में प्रतिस्पर्ध्दात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी ने जिला पंचायत में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि जिले के युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति व्यापक सोच विकसित करनें और इस अभियान को बड़े आंदोलन का रूप देने के लिए सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को जिला स्तर पर 8 विधाओ में प्रतिस्पार्धात्मक गतिविधियों का आयोजन होगा। पीएम श्री रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में सुबह 11 बजे से प्रतियोगिताएं आयोजित होगी । इस दौरान पोर्टल इंट्री, चित्रकला, वाद विवाद , संगीत, नृत्य, नुक्कड नाटक, मूक अभिनय, काव्य पाठ तथा पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम होगा।

जिला स्तरीय विजेताओं में प्रथम, व्दितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए नामित होंगे तथा उन्हें राष्ट्रीय युवा कान्क्लेव नई दिल्ली मे भाग लेने का ऐतिहासिक अवसर भी प्राप्त हो सकता है। उन्होने बताया कि 28 जुलाई से 5 अगस्त तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं, राज्य जूरी व्दारा विजेताओ का चयन, 2 अगस्त को प्रधानमंत्री जी का राष्ट्र के नाम संदेश एवं नशा मुक्ति संकल्प तथा 14 अगस्त को नई दिल्ली मे राष्ट्रीय नशा मुक्त युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। माय भारत पोर्टल पर भी प्रतिभागी लिंक ईमेल के माध्यम से लागिन कर क्विज में भाग ले सकते है। श्री त्रिवेदी ने बताया कि अभियान के तहत गैर स्पर्धी गतिविधियों में नशा मुक्त भारत शपथ, नशा मुक्त हस्ताक्षर दीवार, ग्राम सभा में नशा मुक्त संकल्प, विशेषज्ञ संवाद, अभिभावक संवेदीकरण, फिट इंडिया खेल गतिविधियां, सोशल मीडिया अभियान आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे।

माय भारत जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में माय भारत जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि युवाओं को रचनात्मक एवं राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों में बढ़ चढक़र हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिले के युवा इस राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके और जिले को नशा मुक्त बनाने में अपनी भागीदारी का निर्वहन भी कर सके । कलेक्टर सभागार मे आयोजित बैठक में कलेक्टर ने समिति के सदस्यों से कहा कि विकसित भारत के लिए नशा मुक्ति युवा अभियान के तहत प्रतियोगिताएं और गैर स्पर्धी आयोजनों में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित कराएं। सभी विभागीय अधिकारी समन्वय व सक्रियता से जिले में आयोजित होने वाली गतिविधियों में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें । इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी ने बताया कि जिले में अभी तक 30 यूथ क्लब बनाए जा चुके है । जिले के (युवाओं आयु वर्ग 15-29 वर्ष) के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 24 जुलाई को रणविजय कालेज में किया जा रहा है । जिले के युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति सोच विकसित करनें तथा अभियान को बड़े आंदोलन का रूप देने के लिए ग्रामीण व शहरी स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा । गत दिनों धनवाही विद्यालय एवं कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया साथ ही साइक्लोथॉन का आयोजन, नशा मुक्ति गतिविधि , योगा डे तथा कैंसर कैंप में भी सहयोग प्रदान किया । बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव, मनोनीत सदस्य राकेश शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महर्षि दुर्वासा की तपोभूमि है दूध धारा

जहां मां नर्मदा की कल-कल धारा में मिलता है आस्था, इतिहास और प्रकृति का दिव्य संगम

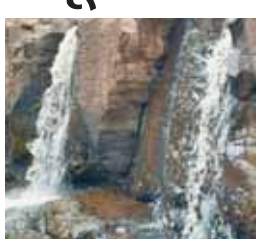

अमरकंटक। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित तीर्थराज अमरकंटक केवल मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में ही नहीं, बल्कि अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता, प्राचीन ऋषि परंपरा और धार्मिक महत्व के कारण भी विश्वभर में प्रसिद्ध है। इन्हीं पवित्र स्थलों में शामिल है दूध धारा जलप्रपात, जो प्रकृति की अनुपम छटा के साथ-साथ आध्यात्मिक ऊर्जा और पौराणिक मान्यताओं का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। मैकल पर्वतमाला की हरियाली से घिरा यह स्थल वर्षभर हजारों श्रद्धालुओं, साधकों और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार दूध धारा वही पावन स्थान है, जहां महर्षि दुर्वासा ने वर्षों तक कठोर तपस्या कर भगवान शिव और मां नर्मदा की आराधना की थी। जलप्रपात के समीप स्थित प्राकृतिक गुफा, जिसे दुर्वासा गुफा कहा जाता है, आज भी श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र बनी हुई है। गुफा के भीतर स्थापित शिवलिंग और तपस्थल के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु पहुंचते हैं तथा यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। लोकश्रुति है कि महर्षि दुर्वासा की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर मां नर्मदा ने उन्हें दूध की धारा के रूप में दिव्य दर्शन दिए थे। तभी से यह स्थान श्रद्धा और विश्वास का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

ऐसे पड़ा दूध धारा नाम- कपिल धारा से लगभग डेढ़ किलोमीटर आगे स्थित यह जलप्रपात मां नर्मदा का दूसरा प्रमुख जलप्रपात माना जाता है। यहां लगभग 10 से 12 फीट की ऊंचाई से गिरता निर्मल जल जब विशाल चट्टानों से टकराता है तो उसकी सफेद फेनिल धाराएं बिल्कुल दूध की तरह दिखाई देती हैं। यही अलौकिक दृश्य इस जलप्रपात को दूध धारा नाम दिलाता है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यह दृश्य और भी मनमोहक हो उठता है। दूध धारा चारों ओर से घने साल और सागौन के जंगलों, औषधीय वनस्पतियों तथा मैकल पर्वतमाला की हरियाली से घिरा हुआ है। यहां बहती शीतल हवाएं, पक्षियों का मधुर कलरव और मां नर्मदा की कल-कल करती जलधारा वातावरण को दिव्यता से भर देती है। कपिल धारा की तुलना में यहां अपेक्षाकृत कम भीड़ रहती है, जिससे यह स्थान ध्यान, योग, साधना और प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन जाता है।

ऐसे पहुंचें दूध धारा- दूध धारा पहुंचने के लिए सबसे पहले अमरकंटक पहुंचना होता है। हवाई मार्ग-निकटतम हवाई अड्डे जबलपुर (लगभग 210-220 किमी) और रायपुर (लगभग 230 किमी) हैं। दोनों शहरों से टैक्सी एवं बस की सुविधा उपलब्ध है। रेल मार्ग-पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन अमरकंटक से लगभग 42 किलोमीटर तथा अनूपपुर जंक्शन लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां से टैक्सी, जीप और बस आसानी से मिल जाती हैं।

कोतमा में स्कूली बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड, ऑटो-ई-रिक्शा में ठूंस-ठूंसकर ढोए जा रहे मासूम

सुरक्षित स्कूल वाहन अभियान के बीच भी नियमों की अनदेखी अभिभावकों ने सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

कोतमा। नगर सहित पूरे क्षेत्र में स्कूली बच्चों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई है। स्कूल जाने वाले मासूम बच्चों को ऑटो और ई-रिक्शा में क्षमता से कई गुना अधिक भरकर ले जाया जा रहा है। अधिक कमाई के लालच में कई वाहन चालक एक ही ऑटो में 12 से 15 बच्चों को भेड़-बकरियों की तरह बैठाकर स्कूल पहुंचा रहे हैं, जिससे हर दिन उनकी जान जोखिम में पड़ रही है। हैरानी की बात यह है कि वर्तमान में प्रशासन द्वारा श्सुरक्षित स्कूल वाहन अभियान चलाया जा रहा है, इसके बावजूद कई अशासकीय विद्यालयों की स्कूल बसों और निजी वाहनों में भी सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। कई वाहनों में निर्धारित सुरक्षा उपकरण नहीं हैं, जबकि कई जगह क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन किया जा रहा है।

क्षमता से कई गुना अधिक बच्चे

नियमों के अनुसार तीन पहिया ऑटो में चालक के अलावा सीमित संख्या में यात्रियों को बैठाने की अनुमति है, लेकिन कोतमा में कई ऑटो चालक एक वाहन में 12 से 15 बच्चों तक को बैठा रहे हैं। इतना ही नहीं, चालक की सीट के दोनों ओर भी बच्चों को बैठा दिया जाता है। कई बार बच्चे वाहन के दरवाजों पर लटकते दिखाई देते हैं और उनके स्कूल बैग बाहर झूलते रहते हैं। ओवरलोडिंग के कारण अचानक ब्रेक लगने, वाहन के अनियंत्रित होने या पलटने की स्थिति में गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी स्थिति में बच्चों के घायल होने के साथ जान का भी खतरा रहता है।

बैग तक रखने की नहीं बचती जगह

वाहनों में जगह कम होने के कारण बच्चों के भारी स्कूल बैग या तो बाहर लटका दिए जाते हैं या उन्हें गोद में रखकर बैठना पड़ता है। इससे बच्चों को असुविधा के साथ-साथ दम घुटने जैसी स्थिति का भी सामना करना पड़ता है। यातायात पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाकर चालान और वाहन जब्ती जैसी कार्रवाई की गई है, लेकिन इसके बावजूद कई वाहन चालक नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। परिवहन विभाग की नियमित निगरानी नहीं होने से ऐसे लोगों के हौसले बुलंद बने हुए हैं।

अभिभावकों की भी अहम जिम्मेदारी

क्षेत्र के कई निजी विद्यालयों में पर्याप्त स्कूल बसों की सुविधा नहीं होने के कारण अभिभावक मजबूरी में बच्चों को ऑटो और ई-रिक्शा से भेजते हैं। वहीं कई मामलों में अभिभावक ओवरलोड वाहन देखकर भी अनदेखी कर देते हैं, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार स्कूल प्रबंधन की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने विद्यालय में आने-जाने वाले वाहनों की नियमित निगरानी करे और यह सुनिश्चित करे कि बच्चों का परिवहन सुरक्षित तरीके से हो। कोतमा क्षेत्र के अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि बिना फिटनेस वाले, ओवरलोड और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले स्कूल वाहनों, ऑटो और ई-रिक्शा के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि किसी संभावित हादसे से पहले बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

खबर संक्षेप

नशामुक्त समाज का संकल्पः बुढ़ार के कॉलेज तिराहे पर डिस्प्ले बोर्ड से 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0'

बुढ़ार। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में पूरे मध्य प्रदेश में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत आमजनों में जागरूकता फैलाने का कार्य तेज़ी से जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को बुढ़ार स्थित कॉलेज तिराहे पर विशाल डिस्प्ले स्क्रीन बोर्ड के माध्यम से नशा-विरोधी जागरूकता के लिए लाइव प्रसारण किया गया।
इस दौरान कॉलेज तिराहे पर आमजनों और राहगीरों का भारी हुजूम देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने डिस्प्ले पर प्रसारित संदेशों को ध्यानपूर्वक देखा और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने तथा नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार इस नशा-विरोधी मुहिम को जन-जन तक पहुँचाने और लोगों में जागरुकता फैलाने में अत्यंत सक्रियता के साथ अहम भूमिका निभा रहे हैं।

11 साल से चकमा दे रहा आर्म्स एक्ट का फरार आरोपी गिरफ्तार

बुढार। वर्ष 2015 से आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को बुढार पुलिस ने गुरुवार (23 जुलाई) को टीटी नगर क्षेत्र से घेराबंदी कर गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पिछले 11 वर्षों से पुलिस को लगातार चकमा देकर फरार चल रहा था।मामले के संबंध में जानकारी देते हुए नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार ने बताया कि थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 531/15 (धारा 25 बी आर्म्स एक्ट) के तहत आरोपी संतोष वंशकार (पिता पूरन वंशकार), निवासी टिकूरी टोला, घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था। पुलिस जब भी दबिश देती, आरोपी चकमा देकर भाग निकलता था। नगर निरीक्षक के अनुसार, गुरुवार को सटीक मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिसके तुरंत बाद पुलिस टीम ने टीटी नगर क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और आरोपी को धर दबोचा। वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है।इस धरपकड़ में महिला सब इंस्पेक्टर श्रीमती शोभा नामदेव आरक्षक गोपाल सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

मानवता की मिसालः बरसात में रोजी-रोटी बचाने के लिए बढ़ाया मदद का हाथ, बाजार में सेवा कार्य की हर ओर सराहना

बारिश में बना सहारा, लीनेस क्लब बुढ़ार ने जरूरतमंद सब्जी विक्रेताओं को बांटे छाते

धनपुरी। लगातार हो रही बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे बैठकर रोजी-रोटी कमाने वाले सब्जी विक्रेताओं की परेशानियों को समझते हुए लीनेस क्लब बुढ़ार ने गुरुवार को बुधवारी बाजार में जरूरतमंद सब्जी विक्रेताओं को छातों का वितरण किया। बरसात के मौसम में राहत पहुंचाने के उद्देश्य से किए गए इस सेवा कार्य ने न केवल विक्रेताओं को मौसम की मार से बचाने में मदद की, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय सरोकारों का भी सशक्त संदेश दिया।
बारिश के दौरान सब्जी विक्रेताओं को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तेज बारिश से उनकी सब्जियां भीग जाती हैं, ग्राहकों की आवाजाही कम हो जाती है और घंटों भीगकर व्यापार करना उनकी मजबूरी बन जाती है। ऐसे समय में लीनेस क्लब की इस पहल ने उनके लिए बड़ी राहत का काम किया। छाते प्राप्त करते ही कई विक्रेताओं ने क्लब के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब की अध्यक्ष बिंदा भगत ने कहा कि समाज सेवा केवल बड़े कार्यों से नहीं, बल्कि जरूरतमंद के कठिन समय में उसके साथ खड़े होने से होती है। उन्होंने कहा कि ₹छोटी-सी सहायता भी किसी व्यक्ति के जीवन में बड़ी राहत बन सकती है।₹ क्लब का उद्देश्य समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।
छाता वितरण अभियान में क्लब की सचिव अंजू दुआ, कोषाध्यक्ष अर्चना ओझा तथा सदस्य मोनिका अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, श्यामा गुप्ता, सरिता अग्रवाल एवं स्नेहलता गुप्ता सक्रिय रूप से शामिल रहीं। सभी ने स्वयं सब्जी विक्रेताओं

के बीच पहुंचकर छातों का वितरण किया और उन्हें सुरक्षित एवं सफल व्यापार की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के समापन पर लीनेस क्लब बुढ़ार ने समाज सेवा के ऐसे कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया। स्थानीय नागरिकों और बाजार के व्यापारियों ने क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं के ऐसे प्रयास जरूरतमंद लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाते हैं और समाज में सहयोग, संवेदनशीलता तथा मानवता की भावना को और मजबूत करते हैं। ऐसी पहलें यह संदेश देती हैं कि कठिन परिस्थितियों में समाज का साथ ही सबसे बड़ा सहारा होता है।

अधूरी नाली को पूर्ण कराए जाने की मांग

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत अस्पताल रोड में पीडब्ल्यूडी द्वारा नाली का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन नाली निर्माण की धीमी प्रगति कारण दुकानदार परेशान हैं दुकानदार शशिकांत गुप्ता ने बताया कि राखी और काजलिया का त्यौहार आने वाला है नाली अधूरी बना दी गई है जिसमें बड़े-बड़े छड निकले हुए हैं जिसमें ग्राहकों के घायल होने का खतरा रहता है 20 दिनों से कम बंद है इसको लेकर मैं सीएम हेल्पलाइन क्रमांक 38858312 में शिकायत भी की थी तो भी काम शुरू नहीं हुआ ठेकेदार अंकित सिंह द्वारा कहा गया की शिकायत बंद कर दो लेकिन काम अभी तक नहीं शुरू कराया गया स्थानीय दुकानदारों ने शीघ्र नाली निर्माण को पूर्ण कराए जाने की मांग की है।

ठेकेदार के यहां कुछ परिवारिक परेशानी के वजह से कार्य लेट हुआ है एक-दो दिन में कार्य शुरू करा दिया जाएगा।
आर जी पटेल इंजीनियर पी डब्ल्यू डी ब्यौहारी

पाठ्यक्रम हेतु विधायक ने मंत्री को लिखा पत्र

बड़वारा। विधानसभा स्थित बड़वारा, ढीमरखेड़ा, सिलौंडी एवं उमरिया पान के शासकीय महाविद्यालयो में पी जी पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने हेतु उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से मिलकर पी जी पाठ्यक्रम को जल्द से जल्द प्रारंभ करने हेतु बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने पत्र सौंपा ताकि स्नातक के बाद जिन छात्र छात्राओं का अध्यापन रुक जाता है वो अपना अध्यापन पूर्ण कर सके बड़वारा, कटनी, उमरियापान, ढीमरखेड़ा, सिलौंडी में महाविद्यालयों में पीजी पाठ्यक्रम की महती आवश्यकता है इसी के मद्देनजर जन हित मे बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने सकारात्मक पहल की है। विधायक ने बताया की राज्य शासन की मंशा है कि कोई भी छात्र शिक्षा का अधिकार से वंचित नही रहने पाए।

9 माह से नहीं मिली वृद्धावस्था पेंशन

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 7 की निवासी सेमिया साकेत पति। रामावतार साकेत ने बताया कि सरकार द्वारा हम लोगों को 9 माह से पेंशन नहीं मिली है, कई बार नगर पालिका जा चुकी हूं वहां से एक ही जवाब मिलता है कि सरकार द्वारा अभी तक पैसा नहीं भेजा गया तो हम लोग क्या करें। मैं विधवा भी हूं बुढ़ापे में दवाई और कई चीजों की जरूरत रहती है इसलिए समय पर वृद्धावस्था पेंशन मिलना चाहिए। पूरे प्रदेश में कई माह से वृद्धावस्था पेंशन नहीं आ रही है सरकार द्वारा लाडली बहना वह तो समय पर पैसा देती है लेकिन वृद्धावस्था में सबसे ज्यादा पैसों की जरूरत होती है इस उम्र में शुद्ध लेने वाला कोई नहीं रहता है इसलिए मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रतिमाह वृद्धावस्था पेंशन समय से दी जाए।

आंगनवाड़ी केंद्रों में कराया गया योगासन

बड़वारा। शासन की मंशा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशानुसार प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों में 21 जुलाई को योग का प्रशिक्षण देकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई एवं समस्त बच्चों को एवं अभिभावकों को आंगनबाड़ी केंद्रों में योगासन कराया गया एवं इसमें शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक विकास के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई परियोजना बड़वारा के सेक्टर भुड़सा अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र बिजोरी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मिथिला साहू सहायिका शकुंतला सिंह एवं अभिभावक एवं बच्चों की उपस्थिति में योग का कार्यक्रम कराया गया।

ओवर लोड भारी वाहनों से कछारी मार्ग जर्जर

बड़वारा। सरकार द्वारा आम जन को सुविधा पूर्ण मार्ग उपलब्ध करवाए जाने के अनेकों प्रयास किये जा रहे हैं। किन्तु कुछ कथित वाहन मालिक एवम विड़ला व्हाइट सीमेंट के प्लांट से निकलने वाले भारी भरकम ट्रकों ने कछारी ग्राम में बनी सड़क की सूरत ही बिगाड़ दी है।छात्र छात्राओं एवं आम जन के जीवन पर हर पल खतरा मंडराता रहा है, गांव के मध्य से निकली सड़क में आमजन,राहगीर व छात्र छात्राओं का रोजाना आना जाना रहता है इसके बावजूद ग्राम के बीच भारी वाहनों की आवाजाहि निरन्तर जारी रहती है। वाहनों के निकलने से सड़क के दोनों तरफ गड्ढों में कीचड़ भर जाता है जिससे बड़े व भारी वाहनों से अपने आपको बचाने के छोटे वाहन चालक व पैदल चलने वाले कीचड़ में गिर पड़ते हैं व चोटिल हो जाते हैं। स्कूल व आंगनवाड़ी केंद्र ग्राम कछारी में ग्राम के भीतर से निकली सड़क के नजदीक ही स्कूल व आंगनवाड़ी भवन निर्मित हैं जहां नन्हे मुन्ने बच्चे व स्कूल में छात्र छात्राएं अध्ययन करने आते हैं जिनको हर पल खतरे का अहसास बना रहता है।

कन्या शिक्षा परिसर पाली में रंगोली एवं शपथ कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया नशामुक्ति का संदेश

पाली/उमरिया। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित "नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक उमरिया विजय भगवानी के निर्देशन में पाली अनुभाग में लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पाली एसडीओपी शिवचरण बोहित की उपस्थिति में कन्या शिक्षा परिसर, पाली में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य सरिता गुप्ता, युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।
कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा नशामुक्ति विषय पर आधारित आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोली बनाकर किया गया। रंगोलियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों तथा नशामुक्त समाज के महत्व को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। छात्राओं की रचनात्मक प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया और नशे के विरुद्ध समाज को जागरूक करने का सशक्त संदेश दिया।
इस अवसर पर पाली एसडीओपी श्री शिवचरण बोहित ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, सामाजिक जीवन और भविष्य को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा यदि नशे से दूर रहेगा तो वह अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। इसके पश्चात एसडीओपी श्री शिवचरण बोहित ने उपस्थित सभी छात्राओं, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को "नशे से दूरी है ज़रूरी" की शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे, समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाएंगे तथा युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सरिता गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन सीखने और अपने व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण समय होता है। यदि इस अवस्था में युवा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक सोच को अपनाते हैं, तो वे अपने परिवार और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने छात्राओं से सामाजिक जागरूकता अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी ने कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन करते हुए अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशे के विरुद्ध जनजागरूकता ही इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने छात्राओं से अपने घर, परिवार एवं समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने तथा स्वयं जागरूक नागरिक बनकर दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की।
कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने नशामुक्त समाज के समर्थन में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई तथा नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, पुलिस विभाग एवं युवा टीम उमरिया का सराहनीय सहयोग रहा। अंत में सभी उपस्थितजनों ने एक स्वर में "नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान को सफल बनाने तथा नशामुक्त, स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान अभिनव द्विवेदी,महक सोनी, साक्षी रैदास ,लक्ष्मी महोबिया एवं सभी उपस्थित रहे।

3 अगस्त से प्रारंभ होगा फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट का शैक्षणिक सत्र

आवेदन ऑफलाइन प्रारंभ, स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

शहडोल। भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्थापित एवं मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम मप्र. द्वारा संचालित राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं कैटरिंग टेक्नोलॉजी नोयडा द्वारा संबद्धता प्राप्त प्रशिक्षण संस्था फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट जिला मुख्यालय से 04 किलोमीटर दूर ग्राम बरूखा तहसील सोहागपुर में 03 अगस्त 2026 से प्रारंभ किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने बताया कि संस्थान के माध्यम से डिप्लोमा एण्ड फूड प्रोडक्शन का कोर्स 1.5 वर्ष का होगा। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास निर्धारित की गई है। इसके लिए 30 सीट उपलब्ध होगी। जिसके लिए प्रशिक्षण शुल्क 29250 रूपए दो किस्तों में जमा की जा सकेगी। क्राफ्टमैनशिप सर्टिफिकेट कोर्स फूड एण्ड बेवरेज सर्विस कोर्स हेतु 6 माह का होगा, जिसकी शैणक्षिक योग्यता कक्षा 10वीं पास निर्धारित की गई है, इसके लिए 30 सीटें उपलब्ध रहेगी। प्रशिक्षण शुल्क 15 हजार रूपए है, जो 02 किस्तों में जमा की जा सकती है। फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट शहडोल में प्रवेश प्रक्रिया ऑफलाइन की जा रही है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के युवाओं से संस्था में प्रवेश लेने की अपील की है। यहां से पास आउट छात्रों को सुनिश्चित रोजगार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।
प्रभारी प्राचार्य फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट शहडोल ने बताया कि फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट शहडोल में शुल्क सहित हॉस्टल की सुविधा, नामांकित होटल में प्रशिक्षण के दौरान स्टाइपेंड, आरक्षित वर्ग हेतु छात्रवृत्तियां, प्रयोगशालाएं, कोर्स उपरांत प्लेसमेंट सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 843566076 अथवा फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट बरूखा शहडोल में सम्पर्क किया जा सकता है।
उन्होने बताया कि डिप्लोमा पूर्ण होने पर रोजगार के अन्य अवसर इवेंट मैनेजमेंट कम्पनियों में सुपर वाइजर, विदेश में होटल्स एण्ड रेस्टोरेंट में फास्ट फूड रेस्टोरेंट, हॉस्पिटल स्वागतकर्ता और फैसिलिटेटर, प्लाइट कैटरिंग एण्ड ग्राउंड स्टाफ, रेलवे कैटरिंग, रिटेल नौकरी एण्ड कस्टमर केयर सर्विस, मार्केटिंग और सेल्स ग्जीक्यूटिव, बैंकों में कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव, सेना, नौसेना, वायु सेना या पुलिस में मेस इंचार्ज के तौर पर काम करने का अवसर मिल सकेगा।फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट शहडोल में स्ट्रीट फुड संचालकों हेतु प्रशिक्षण, स्थानीय ठेला, फूड स्टॉल एवं छोटे भोजनालय संचालकों के लिए फूड सेफ्टी व हाइजीन प्रशिक्षण, स्व सहायता समूह हेतु प्रशिक्षण, महिला स्व-सहायता समूहों को कैटरिंग, सामुदायिक रसोई, कैंटीन संचालन, बेकरी एवं फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण, स्थानीय कुजिन में प्रशिक्षण, स्थानीय एवं आदिवासी पारंपरिक व्यंजनों का संरक्षण, मानकीकारण एवं पर्यटन से जोडऩा व शहडोल एवं बघेलखंड के पारंपरिक व्यंजनों का प्रशिक्षण। होम-स्टे, अतिथि प्रशिक्षण होटल, रिसॉर्ट, होम-स्टे, अतिथि गृह संचालकों का प्रशिक्षण।अल्पकालीन प्रशिक्षण में बेरोजगार युवाओं, महिलाओं एवं स्वरोजगार इच्छुक व्यक्तियों के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण। उद्यमिता प्रशिक्षण में स्थानीय युवाओं को फूड स्टार्टअप, बेकरी, कैफे, टिफिन सेवा एवं कैटरिंग व्यवसाय स्थापित करने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा।

झाड़-फूंक करने आए व्यक्ति की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

शहडोल। जिले के सीधी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंदौरा में अंधविश्वास के चलते एक दुखद घटना सामने आई है। जादू-टोने के संदेह में झाड़-फूंक के लिए आए एक व्यक्ति की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।
मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम चंदौरा निवासी बुद्धसेन अपनी बेटी के इलाज के लिए सीधी निवासी राज बहोर (बाबा) को झाड़-फूंक के उद्देश्य से अपने घर ले आया था। इसी दौरान बुद्धसेन के भाई भीमसेन के मन में यह भ्रांति उत्पन्न हो गई कि राज बहोर जादू-टोना कर रहा है, जिसे वह अपने परिवार में हो रही समस्याओं की वजह मानने लगा। इसी संदेह और आवेश में आकर भीमसेन ने राज बहोर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया। 23 जुलाई को शहडोल पुलिस

अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वयं ग्राम चंदौरा पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीधी थाना प्रभारी निरीक्षक सेवान्दर राम भगत भी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को मामले में निष्पक्ष जांच और त्वरित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के कड़े निर्देश दिए हैं। सीधी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ा दी है।क्षेत्र में लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि ग्रामीण इलाकों में आज भी वैज्ञानिक सोच और स्वास्थ्य जागरूकता की सख्त जरूरत है। किसी भी बीमारी या समस्या के हल के लिए झाड़-फूंक की बजाय योग्य चिकित्सकों और वैज्ञानिक पद्धतियों का सहारा लेना चाहिए। स्थानीय प्रबुद्ध जनों और सामाजिक संगठनों ने भी अपील की है कि समाज में व्याप्त ऐसी भ्रांतियों को दूर करने के लिए सामूहिक जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, ताकि अंधविश्वास के कारण किसी निर्दोष की जान न जाए।

इनका कहना है...

अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ त्वरित व सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी नागरिक को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं है।

डॉ. संजय कुमार अग्रवाल
पुलिस अधीक्षक शहडोल

खबर संक्षेप

अनूपपुर की दो बेटियों ने बढ़ाया जिले का मान एनएफएसयु में हुआ चयन

अनूपपुर। जिले के लिए गर्व की बात है कि नगर की दो प्रतिभाशाली छात्राओं अदिति वत्स और प्रकृति वत्स का चयन देश के प्रतिष्ठित नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयु) में हुआ है। अदिति वत्स को कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर एनएफएसयु, गांधीनगर (अहमदाबाद) में मास्टर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (फोरेंसिक साइंस) पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला है। उन्होंने बीएससी विज्ञान संकाय से प्रथम श्रेणी में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद कैट परीक्षा दी थी। जबलपुर केंद्र से परीक्षा में शामिल हुईं अदिति ने निर्धारित कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। वे दो वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान फोरेंसिक प्रबंधन के विभिन्न आयामों का अध्ययन करेंगी। वहीं, प्रकृति वत्स ने बीए-एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उच्च न्यायालय, जबलपुर में अधिवक्ता के रूप में कार्य किया। उन्होंने सेंट्रल यूनिवर्सिटी एडमिशन टेस्ट (सीयुईटी-पीजी) उत्तीर्ण कर एनएफएसयु, भुवनेश्वर में साइबर सिक्योरिटी विषय से एक वर्षीय एलएलएम पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया है। दोनों बहनें अनूपपुर नगर के वार्ड क्रमांक-14, चेतनागर की निवासी हैं। उनकी माता श्रीमती संध्या पांडे शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बस स्टैंड अनूपपुर में गणित विषय की शिक्षिका हैं, जबकि पिता डॉ. दीपक कुमार पांडे (पीएचडी, अपराध शास्त्र) उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं। परिवार में बचपन से मिले शैक्षणिक वातावरण और माता-पिता के मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि दोनों बेटियों ने राष्ट्रीय स्तर पर सफलता अर्जित कर अनूपपुर का गौरव बढ़ाया है। अदिति और प्रकृति ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता के समर्पणपूर्ण शिक्षण और पिता के सतत मार्गदर्शन को दिया हैं।

अनूपपुर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल

अनूपपुर। जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने गुरुवार को पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। जारी आदेश के अनुसार जिले के 7 थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। वहीं, पूर्व में किए गए दो उपनिरीक्षकों और एक सहायक उपनिरीक्षक के स्थानांतरण आदेश में संशोधन करते हुए उन्हें उनके वर्तमान पदस्थापना स्थल पर ही यथावत रखा गया है। जारी आदेश के अनुसार निरीक्षक संजय अशोक इक्का को कोतवाली अनूपपुर का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं निरीक्षक राधिका भगत को आजाक थाना अनूपपुर से स्थानांतरित कर भालूमाड़ा थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक उमेश उपाध्याय को भालूमाड़ा से कारनपठार थाना, निरीक्षक वीरेंद्र बरकड़े को कारनपठार से राजेंद्रग्राम थाना, निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी को अमरकंटक से आजाक थाना प्रभारी, तथा निरीक्षक मनिम टोप्पो को बिजुरी से अमरकंटक थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं निरीक्षक प्रकाश चंद्र कोल को राजेंद्रग्राम से स्थानांतरित कर पुलिस लाइन अनूपपुर भेजा गया है। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक ने पूर्व में जारी कुछ स्थानांतरण आदेशों में संशोधन भी किया है। उपनिरीक्षक मंगल दुबे का स्थानांतरण आदेश निरस्त कर उन्हें चौकी सरई में ही यथावत रखा गया है। इसी प्रकार उपनिरीक्षक सोने सिंह परस्ते को फुनगा तथा सहायक उपनिरीक्षक पवन प्रजापति को कोतवाली अनूपपुर में ही यथावत पदस्थ रखा गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल को जिले में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई पदस्थापनाओं के बाद संबंधित अधिकारी शीघ्र ही अपने नए कार्यभार का ग्रहण करेंगे।

पेड़ तो हटे, लेकिन अधूरी छोड़ दी सड़क!

चचाई-विवेकनगर मार्ग पर हर पल हादसे का खतरा

बारिश में मिट्टी धंसने से बढ़ी परेशानी, रात में नहीं दिखता अधूरा हिस्सा, स्थायी निर्माण की मांग तेज

अनूपपुर। जिले के सबसे व्यस्त अनूपपुर शहडोल मुख्य मार्ग पर चचाई और विवेकनगर के बीच सड़क का एक अधूरा हिस्सा लगातार वाहन चालकों की परेशानी और दुर्घटना की आशंका का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क के बीच मौजूद पेड़ों को हटाने के बाद संबंधित हिस्से को पूरी तरह समतल और पक्का नहीं किया गया।

नतीजतन सड़क की सतह में अचानक बदलाव होने से यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को हर समय सतर्क रहना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह मार्ग जिले की प्रमुख संपर्क सड़क है, जहां प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। यात्री बसों, स्कूल वाहनों, एंबुलेंस, निजी वाहनों और भारी मालवाहक ट्रकों

की लगातार आवाजाही के बीच सड़क का यह अधूरा हिस्सा किसी बड़े हादसे को न्योता देता दिखाई देता है। दिन में तो वाहन चालक सड़क की स्थिति देखकर अपनी गति कम कर लेते हैं, लेकिन रात के समय यह हिस्सा आसानी से दिखाई नहीं देता। ऐसे में अचानक वाहन उछलने, संतुलन बिगड़ने या चालक के नियंत्रण खोने का खतरा बना रहता है।

बारिश ने बढ़ाई मुश्किल

मानसून के दौरान स्थिति और गंभीर हो गई है। बारिश से मिट्टी गीली होकर धंस रही है और पहले डाली गई गिट्टी भी जमीन में समा चुकी है। इससे सड़क और अधिक असमान हो गई है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यहां फिसलने का खतरा लगातार बना हुआ है, जबकि भारी वाहनों के दबाव से सड़क का यह हिस्सा और कमजोर होता जा रहा है।

अस्थायी उपाय नहीं, स्थायी समाधान चाहिए

स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए यहां गिट्टी डाली गई थी, लेकिन यह केवल अस्थायी व्यवस्था साबित हुई। लोगों का मानना है कि संबंधित विभाग को तकनीकी परीक्षण कर सड़क के इस हिस्से का स्थायी रूप से पुनर्निर्माण कराना चाहिए, ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं की संभावना समाप्त हो सके।

सुरक्षा इंतजाम भी जरूरी

वाहन चालकों ने मांग की है कि जब तक स्थायी निर्माण नहीं हो जाता, तब तक इस स्थान पर रिफ्लेक्टर, चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग और फ्लोरोसेंट संकेतक लगाए जाएं। इससे विशेषकर रात के समय गुजरने वाले वाहन चालकों को पहले से खतरे की जानकारी मिल सकेगी और दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी।

जनहित से जुड़ा मामला

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े ऐसे मामलों में समय पर कार्रवाई बेहद जरूरी होती है। यदि संबंधित विभाग ने शीघ्र स्थायी सुधार नहीं कराया तो भविष्य में कोई गंभीर सड़क हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी निर्माण कराने की मांग की है, ताकि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

आधी रात सूने घर में बड़ी चोरी लाखों के जेवर नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हुए बदमाश

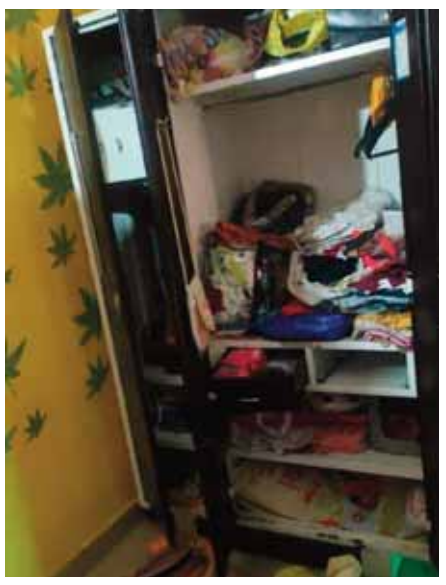

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुर्रा में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर, नकदी और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि घर के दूसरे कमरे में सो रही मां और बेटी को पूरी वारदात की भनक तक नहीं लगी। जानकारी के अनुसार, बदमाश देर रात घर में घुसे और अलमारियों में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नकदी तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। वारदात के बाद चोर घर के पीछे स्थित बाड़ी में पहुंचे, जहां उन्होंने अलमारियां तोड़कर उनमें रखा सामान निकाला। सुबह परिजनों ने बाड़ी में टूटी हुई अलमारियां और बिखरा सामान देखा तो चोरी का पता चला। घटना की सूचना मिलते ही जैतहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को किसी संगठित चोर गिरोह की संलिप्तता की आशंका है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

बिना परमिट चल रही 2 स्कूल बसों समेत 7 स्कूली वाहनों पर कार्रवाई, 3 शराबी चालक भी गिरफ्तार

ऑपरेशन सेफ्टी का बड़ा एक्शन 28 वाहनों पर चालानी कार्रवाई, 1.12 लाख से अधिक का जुर्माना

एक ही स्कूल के तीन वाहनों पर 46 हजार का दंड

अनूपपुर। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस का ऑपरेशन सेफ्टी लगातार सख्ती के साथ जारी है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब (आईपीएस) के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान बिना वैध परमिट संचालित 2 स्कूल बसों सहित कुल 7 स्कूली वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वहीं शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए 3 चालकों के वाहन जब्त कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। यातायात पुलिस की विशेष जांच में सनराइज कॉन्वेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, निगवानी की बच्चों को ले जा रही दो स्कूल बसें बिना वैध परमिट संचालित होती मिलीं। इसके अलावा लिटिल स्टेप स्कूल, अनूपपुर और मेगामाइंड स्कूल, अनूपपुर के वाहनों में भी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई। बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करते हुए पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई की। अभियान के दौरान एक ही स्कूल के तीन वाहनों पर कुल 46 हजार का जुर्माना लगाया गया। वहीं विभिन्न यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 28 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 1,12,500 से अधिक का जुर्माना अधिरोपित किया गया। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि स्कूल वाहनों में सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बिना परमिट, अपूर्ण दस्तावेज, फिटनेस, बीमा, ओवरलोडिंग अथवा अन्य नियमों के उल्लंघन पर आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। अनूपपुर पुलिस ने सभी स्कूल संचालकों और वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें, निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें तथा नशे की हालत में वाहन चलाने जैसी गंभीर लापरवाही से बचें। पुलिस ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन सेफ्टी आगे भी लगातार जारी रहेगा।

अमरकंटक में अमृत हरित महा अभियान के तहत 3 हजार पौधों का वृहद पौधारोपण

आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल व कलेक्टर हर्षल पंचोली ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक को हरित, स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से बुधवार को नगर परिषद अमरकंटक के तत्वावधान में अमृत हरित महा अभियान-2026 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-4 स्थित टीसीपीसी परिसर में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत लगभग 3 हजार फलदार एवं छायादार पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कलेक्टर हर्षल पंचोली, एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से आम का पौधा रोपकर अभियान का शुभारंभ किया और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनका संरक्षण करने का संदेश दिया। अपने संबोधन में रामलाल रौतेल ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के बीच वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली

पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधों का नियमित संरक्षण और देखभाल सुनिश्चित हो। उन्होंने विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों से अपने घरों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाने तथा हरियाली बढ़ाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। एसडीएम वसीम अहमद भट्ट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही प्रकृति का संतुलन बनाए रखा जा सकता है। अभियान के दौरान आम, अशोक, जामुन, कटहल, आंवला और गुलमोहर सहित विभिन्न प्रजातियों के लगभग 3 हजार पौधे लगाए गए। नगर परिषद ने पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा और रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी बात कही, ताकि अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित न रहकर स्थायी हरित विकास का माध्यम बन सके। इस अवसर पर अमरकंटक के वरिष्ठ नागरिक अंबिका प्रसाद तिवारी, रामगोपाल द्विवेदी, रोशन पनारिया, प्रकाश द्विवेदी, दिनेश द्विवेदी, सूरज साहू, राजेश बर्मन, सुखनंदन सिंह, पत्रकार उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू, नगर परिषद के पार्षद, अधिकारी-कर्मचारी, प्राचार्य, शिक्षक, बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने एक पौधा-एक संकल्प और हरियाली बढ़ाएं, पर्यावरण बचाएं जैसे संदेशों के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन हरित अमरकंटक के निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और भावी पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। नगर परिषद द्वारा संचालित अमृत हरित महा अभियान-2026 के तहत नगर क्षेत्र में 3 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो अमरकंटक को पर्यावरणीय दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पुरानी रंजिश में आगजनी और एससी/एसटी एक्ट के आरोपी की जमानत खारिज

अनूपपुर। पुरानी रंजिश के चलते फरियादी के घर के समीप बने रूधान (मवेशी शेड) में आग लगाने तथा विरोध करने पर जातिसूचक गालियां देने के मामले में आरोपी शैलेष उर्फ बल्लू शर्मा (24 वर्ष), निवासी ग्राम शिवरी चंदास, राजेन्द्रग्राम की जमानत याचिका प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल ने निरस्त कर दी। जिला लोक अभियोजक कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार, आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते फरियादी के घर के पास बने रूधान में आग लगा दी। जब फरियादी ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने कथित रूप से जातिसूचक गालियां देकर धमकाया। घटना के बाद फरियादी की शिकायत पर थाना करनपठार में अपराध क्रमांक 97/2026 दर्ज किया गया। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 326 (ए), 296 (जी) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3 (2) (5) के तहत मामला पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने न्यायालय को बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना राजेन्द्रग्राम में पहले से 13 आपराधिक मामले लंबित हैं, जिससे उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी न्यायालय के समक्ष रखा गया। आरोपी की ओर से जमानत के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से लोक अभियोजक मिश्रा ने जमानत का विरोध करते हुए मामले की गंभीरता, आरोपी के आपराधिक इतिहास तथा उपलब्ध तथ्यों पर विस्तार से पक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने मामले की गंभीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी शैलेष उर्फ बल्लू शर्मा की जमानत याचिका निरस्त कर दी। आरोपी 28 जून से जिला जेल अनूपपुर में न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध है।

युवा शक्ति को नशे के दलदल से बचाने का सामूहिक संकल्प, कल्याणिका महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन महाविद्यालय में श्नशा मुक्त भारत अभियानश के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शासकीय महाविद्यालय एवं कल्याण सेवा आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन, शिक्षाविदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लेते हुए नशा उन्मूलन के लिए समाज की सामूहिक भागीदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमरकंटक थाना के उप निरीक्षक पी. एस. बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में श्नशा मुक्त भारत अभियानश प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को बर्बाद करने वाली गंभीर समस्या है। तंबाकू, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन कैंसर, यकृत रोग, हृदय संबंधी बीमारियों तथा मानसिक विकारों जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी

इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कॉन्स्टेबल दिव्या ठाकुर ने कहा कि नशे की लत व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर देती है। जब नशे की लत बढ़ती है तो उसकी पूर्ति के लिए व्यक्ति चोरी, हिंसा और अन्य आपराधिक गतिविधियों की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका पूरा परिवार आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संकट से गुजरता है। इसलिए इस बुराई के खिलाफ समाज को एकजुट होकर जनजागरण अभियान चलाना होगा। कॉन्स्टेबल रघुराज सिंह ने भी विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एस. कुशवाहा ने कहा कि नशा मुक्त समाज का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक, परिवार, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संगठनों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनने का आह्वान किया। उप प्राचार्य बृजेन्द्र मिश्रा ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित श्नशा मुक्त भारत अभियानश एक दूरदर्शी एवं जनहितकारी पहल है। उन्होंने कहा कि कानून और प्रशासनिक कार्रवाई महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इस समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है जब समाज स्वयं जागरूक होकर इसे जनआंदोलन का रूप दे। कल्याण सेवा आश्रम के राजेंद्र बिष्ट ने कहा कि सिगरेट, शराब, गुटखा और अन्य नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी, जो राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है, तेजी से नशे के दुष्चक्र में फंस रही है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो इसके दूरगामी दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और नशा मुक्त भारत के संकल्प को सफल बनाने में सभी से सक्रिय भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणाम, सामाजिक दायित्वों एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी गई। अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।